



अणुव्रत विश्व भारती

(विश्व शान्ति, नैतिक जागरण एवं सर्वांगीण बाल विकास का त्रिवेणी संगम)

प्रधान कार्यालय : बाल शान्ति निलयम्, पोस्ट बॉक्स सं. 28,

राजसमन्द - 313326 (राज.)

☎ (02952) 220516

E-mail : rajsamand@anuvibha.in

क्रमांक

सादर प्रकाशनार्थ :-
राजसमंद 03.10.2010

दिनांक :

अणुविभा में अहिंसा दिवस

आजादी के मसीहा महात्मा गांधी की जन्म जयन्ती को यू.एन.ओ. द्वारा घोषित अहिंसा दिवस के उपलक्ष में काव्य गोष्ठी एवं अहिंसा की आवश्यकता पर अणुव्रत विश्व भारती में रात्रि को विशेष आयोजन हुआ। इस उपलक्ष में अपनी अभिव्यक्ति देते हुए मुख्य अतिथि श्री कमर मेवाड़ी ने कहा कि गांधीजी के बताएँ अहिंसा पथ पर चलकर ही हम सच्चे भारतीय बनने योग्य हो सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. एम.एल. माण्डोट ने विविध उद्‌दरणों से अहिंसा को जीवन में उतारने की ओर प्रेरित किया। अहिंसा प्रशिक्षण के वरिष्ठ मार्गदर्शक डॉ. हीरालाल श्रीमाली ने अहिंसा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए हिंसक वातावरण में अहिंसा प्रशिक्षण को अति आवश्यक बताया। श्री नरेन्द्र "निर्मल" ने गांधी की सकारात्मकता को जीवन में उतारने का आव्हान किया। अणुव्रत बालोदय के मंत्री अमृत सांसद श्री अशोक डूंगरवाल व शिक्षक संसद के मंत्री श्री धर्मचन्द जैन 'अनजाना' ने समागत महानुभावों एवं कवियों का स्वागत करते हुए कहा कि अहिंसा के द्वारा ही विश्व में शांति संभव है।

माननीय कवि 'बालक' श्री हमीद शेख, श्री आशियाजी, श्री किशन कबीरा, श्री माधव नागदा, कनेरियाजी, भगवानलाल बंशीवाल, सरावगीजी, श्री भंवरलाल वागरेचा, श्री मिश्रीलाल, श्री सम्पत लड्डा, श्री दिनेश सनादय, श्री नगेन्द्र मेहता, श्री सागर कावडिया, आदि ने काव्य पाठ व अहिंसा के मर्म पर प्रकाश डाला। कहा कि गांधीजी व शास्त्रीजी के सिद्धान्तों को अपनाकर ही मानवता को प्रतिष्ठापित किया जा सकता है। बी.एड कॉलेज के प्रिन्सीपल डॉ. पाल ने कहा कि अहिंसा से ही देश को शांति की ओर अग्रसर करते हुए महान् बनाया जा सकता है। भिक्षु बोधि स्थल के अध्यक्ष श्री गणपत धर्मावत ने कहा कि अहिंसा के द्वारा ही देश की एकता व अखण्डता कायम रह सकती हैं।

श्री साबिर शुक्रिया के सुन्दर संयोजन ने कार्यक्रम में और निखार ला दिया। आयोजन व्यवस्था में अणुविभा के प्रबन्ध निदेशक विमल जैन का विशेष सहयोग रहा।

प्रेषक

अणुविभा
राजसमन्द